भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3822
उत्तर देने की तारीख-16/03/2026

दिल्ली में कार्यशील केंद्रीय विद्यालय

3822. श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में दिल्ली में कार्यशील केंद्रीय विद्यालयों (केवी) की कुल संख्या कितनी है और उनमें पढ़ने वाले/पंजीकृत छात्रों की संख्या कितनी है;
(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली के केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए प्रतिवर्ष प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या कितनी है;
(ग) क्या सरकार को दिल्ली में और अधिक केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं;
(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या दिल्ली में और अधिक केंद्रीय विद्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क): केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली में वर्तमान में 47 केंद्रीय विद्यालय (केवि) कार्यात्मक हैं, जिनमें कुल 1,19,060 छात्र नामांकित हैं।

(ख): विगत तीन वर्षों के दौरान दिल्ली में केवि में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की वर्ष-वार संख्या निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**वर्ष**	**प्राप्त आवेदन**
1.	2023-24	1,29,347
2.	2024-25	1,39,364
3.	2025-26	1,65,318

(ग) से (ङ): नए केवि खोलना एक सतत् प्रक्रिया है। केवि पूरे देश में शिक्षा का एक समान कार्यक्रम प्रदान करने हेतु मुख्य रूप से केंद्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों सहित रक्षा और अर्ध-सैन्य कर्मियों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थान (आईएचएल) के बच्चों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए खोले जाते हैं। नए केवि खोलने के प्रस्ताव भारत सरकार के मंत्रालयों या विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) प्रशासनों द्वारा प्रायोजित किए जा सकते है जिसमें केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) के मानदंडों के अनुसार एक नया केवि स्थापित करने के लिए निःशुल्क अपेक्षित भूमि और उपयुक्त किराया-मुक्त अस्थायी आवास को उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता शामिल होती है। केविसं से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली में नए केवि खोलने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से कोई व्यवहार्य प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****